दिनांक 29 दिसम्बर, 2025 को एन०आई०टी० जमशेदपुर के 15वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय राज्यपाल महोदय का सम्बोधन:-

जोहार!

नमस्कार!

1. सर्वप्रथम, मैं एन०आई०टी० जमशेदपुर के 15वें दीक्षांत समारोह के इस पावन अवसर पर परम आदरणीया माननीया राष्ट्रपति महोदया का समस्त झारखण्डवासियों की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ। उनकी गरिमामयी उपस्थिति से यह दीक्षांत समारोह और भी प्रेरणादायी तथा ऐतिहासिक बन गया है।

2. इस प्रतिष्ठित संस्थान के दीक्षांत समारोह के अवसर पर मैं सभी उपाधिधारक विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ। यह अवसर आपके शैक्षणिक जीवन की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, साथ ही समाज, राष्ट्र और मानवता के प्रति आपकी जिम्मेदारियों की एक नई शुरुआत भी है। इस अवसर पर मैं आपके अभिभावकों, मार्गदर्शकों तथा समर्पित शिक्षकों को भी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ, जिनका आपकी इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

3. इस अवसर पर मैं युगद्रष्टा जमशेदजी टाटा की दूरदर्शिता का उल्लेख करना चाहूँगा, जिन्होंने औद्योगिक विकास के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, श्रमिक कल्याण और मानवीय गरिमा को समान महत्व दिया। उनके द्वारा प्रतिपादित मूल्य आज भी इस क्षेत्र की औद्योगिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को दिशा प्रदान करते हैं। इसी क्रम में, मैं टाटा परंपरा को और अधिक सुदृढ़ करने वाले, विगत वर्ष दिवंगत रतन टाटा जी का भी श्रद्धापूर्वक स्मरण करता हूँ, जिन्होंने जमशेदजी टाटा के आदर्शों को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

4. एन०आई०टी० जमशेदपुर भी इसी वैचारिक विरासत का एक सशक्त प्रतीक है, जहाँ तकनीकी शिक्षा केवल डिग्री तक सीमित नहीं, बल्कि नवाचार, अनुसंधान, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व का समन्वित स्वरूप है। इस संस्थान ने वर्षों से देश को ऐसे अभियंता और तकनीकी

विशेषज्ञ प्रदान किए हैं, जिन्होंने भारत की औद्योगिक, आधारभूत संरचना तथा वैज्ञानिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

5. माननीया राष्ट्रपति महोदया स्वयं संघर्ष, संकल्प और सादगी की जीवंत प्रतिमूर्ति हैं। उन्होंने छह वर्षों से अधिक समय तक झारखण्ड के राज्यपाल के रूप में राज्य को अपनी सेवाएँ प्रदान कीं। अपनी सादगी, मृदु स्वभाव और जनसेवा के प्रति समर्पण के कारण उन्होंने जनमानस में विशिष्ट स्थान अर्जित किया। एक साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक की उनकी यात्रा, विशेष रूप से हमारी बेटियों के लिए प्रेरणा का अमूल्य स्रोत है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि शिक्षा, अनुशासन और परिश्रम से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

6. मैं यह उल्लेख करना चाहूँगा कि राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोहों में मैं जब भी जाता हूँ, तो पाता हूँ कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में छात्राओं की संख्या उल्लेखनीय रूप से अधिक होती है। यह हमारी बेटियों की प्रतिभा, क्षमता और आत्मविश्वास का सशक्त प्रमाण है। यह परिदृश्य केवल महिला सशक्तिकरण ही नहीं, बल्कि एक सशक्त और विकसित भारत की झलक भी प्रस्तुत करता है।

7. झारखण्ड राज्य के राज्यपाल के रूप में अपने दायित्व निर्वहन के दौरान मुझे राज्य के लगभग सभी जिलों के विभिन्न सुदूरवर्ती ग्रामों में जाकर लोगों से संवाद करने का सौभाग्य मिला। इस क्रम में मैंने नागरिकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक किया और राज्य की जमीनी वास्तविकताओं को समझने का प्रयास किया। मैंने यहाँ यह भी महसूस किया है कि राज्य के समग्र विकास में तकनीकी रूप से दक्ष मानव संसाधन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में एन०आई०टी० जमशेदपुर जैसे संस्थानों से अपेक्षा है कि वे न केवल कुशल अभियंता तैयार करें, बल्कि राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी नागरिक भी गढ़ें।

8. प्रिय उपाधिधारकों, आज आप जिस ज्ञान और कौशल से लैस होकर इस संस्थान से उपाधि ग्रहण कर रहे हैं, वह केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम नहीं है। यह समाज की समस्याओं के समाधान, उद्योगों के सतत विकास और राष्ट्र की आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाने का सशक्त

साधन है। आपके निर्णय, आपकी सोच और आपका कर्म-बोध आने वाले समय में देश की दिशा और दशा निर्धारित करेंगे।

9. तकनीकी दक्षता के साथ-साथ नैतिकता, संवेदनशीलता और मानवीय मूल्य आपके व्यक्तित्व की आधारशिला होने चाहिए। तकनीक तभी सार्थक है, जब वह मानव जीवन को सरल, सुरक्षित और सम्मानजनक बनाए। मुझे विश्वास है कि आप नवाचार को करुणा, उत्तरदायित्व और सामाजिक चेतना के साथ जोड़ेंगे।

10. आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। डिजिटल वित्तीय लेन-देन के क्षेत्र में भी हमारा देश विश्व में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारत@2047' की दिशा में एक स्पष्ट, दूरदर्शी और प्रेरक संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति में हमारे तकनीकी संस्थानों, वैज्ञानिकों तथा युवा अभियंताओं की भूमिका अत्यंत निर्णायक होगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि एन०आई०टी० जमशेदपुर के प्रतिभाशाली विद्यार्थी अपनी ज्ञान-संपदा, नवाचारी दृष्टि और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण के बल पर इस संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएँगे।

11. अंत में, मैं आप सभी से यही कहना चाहूँगा— "ज्ञान तभी सार्थक है, जब वह समाज और राष्ट्र के कल्याण में प्रयुक्त हो।" आप जहाँ भी कार्य करें, जमशेदजी टाटा की दूरदृष्टि और एन०आई०टी० जमशेदपुर की गौरवशाली परंपरा को अपने आचरण में जीवित रखें।

मैं आप सभी के उज्ज्वल, सफल एवं राष्ट्रसेवा से परिपूर्ण भविष्य की मंगलकामना करता हूँ।

जय हिन्द! जय झारखण्ड!